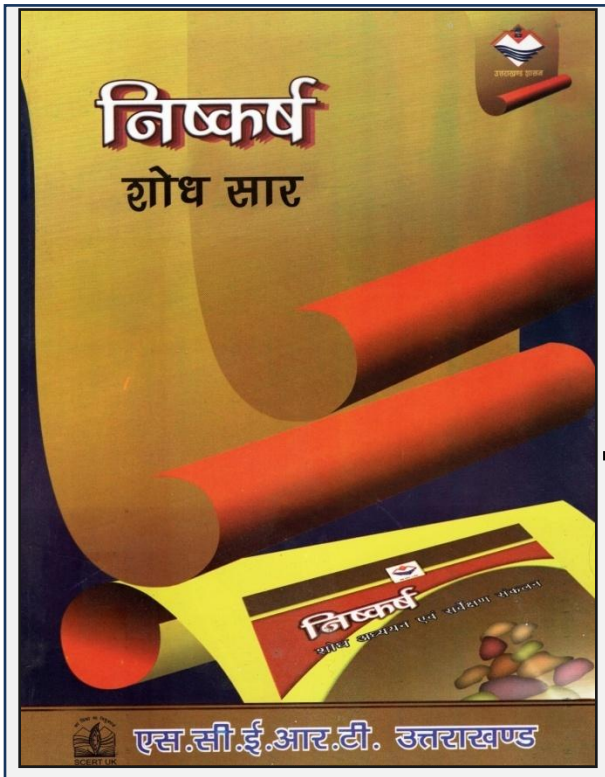

शोध

(Research)

गुणवत्तापरक शोध विद्यालय में पहुँच, धारण, ठहराव व उत्कृष्ट शैक्षिक वातावरण सुनिश्चित करने के साथ ही विभिन्न हस्तक्षेपों, नीतियों की संस्तुतियों के क्रियान्वयन के फलस्वरूप उनसे संबंधित परिणामों एवं प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनसे कार्यों, योजनाओं में सुधार हेतु दिशा मिलती है। शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में ऐसे कार्यक्रमों की अग्रणी भूमिका है। एस.सी.ई.आर.टी. उत्तराखण्ड के साथ–साथ राज्य की समस्त डायट्स व अन्य हितधारक शोध प्रक्रियाओं के माध्यम से शिक्षा के उन्नयन हेतु प्रयासरत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में भी शोध कार्यों को महत्व दिया गया है।

शोध एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके तहत किसी समस्या की पहचान एवं उसके निराकरण हेतु वैज्ञानिक चरणों का क्रमबद्ध उपयोग कर निष्कर्ष तक पहुँचा जाता है। इसके अंतर्गत समस्या चयन, उद्देश्य, शोध प्रश्न, परिकल्पना, प्रतिदर्श चयन, उपकरण विकास, डाटा संग्रह, विश्लेषण, प्राप्तियाँ व निष्कर्ष जैसे चरण महत्वपूर्ण हैं।

किसी भी शोध की विशेषताओं में वैज्ञानिक सोच, क्रमबद्धता दो या अधिक चरों के मध्य संबंध, तार्किकता व वस्तुनिष्ठता, धैर्य, उद्देश्यपरक, वैज्ञानिक नजरिया, समर्पण, पक्षपात रहित रवैया, भावनाओं व आवेगों पर नियंत्रण आदि सम्मिलित हैं। शोध एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है। अपनी प्रकृति व उद्देश्यों के आधार पर शोध अलग–अलग प्रकार का होता है। कोई भी शोध

प्रक्रिया तभी गुणवत्तापरक होगी जब उससे संबंधित परीक्षणों में विश्वसनीयता (Reliability) वैधता (Validity) व वस्तुनिष्ठता (Objectivity) होगी।

शिक्षा के क्षेत्र में किए जाने वाले शोधों को प्रमुखतः मूलभूत अनुसंधान तथा क्रियात्मक अनुसंधान में बाँटा जा सकता है। मौलिक अनुसंधान के अंतर्गत ऐतिहासिक, सर्वे, प्रायोगिक अनुसंधान आते हैं। इसी प्रकार के एक अन्य वर्गीकरण के अंतर्गत मूलभूत अनुसंधान, समस्या समाधान व समस्या केंद्रित अनुसंधान, व्यावहारिक अनुसंधान आते हैं।

इसी प्रकार एक दूसरे वर्गीकरण में अनुसंधान को गुणात्मक व मात्रात्मक अनुसंधान के रूप बाँटा गया है। गुणात्मक के अंतर्गत मत, मूल्य, नजरिया, व्यवहार, विविध प्रकरणों के बारे में प्रत्यक्षीकरण, शैक्षिक अभ्यासों में सुधार एवं सामाजिक मुद्दों का निराकरण सम्मिलित हैं। जबकि मात्रात्मक अनुसंधान में वस्तुनिष्ठ आंकडों का संग्रह व विश्लेषण अंकीय रूप में किया जाता है। उक्त अनुसंधानों हेतु समस्या की प्रकृति के अनुरूप डाटा संग्रह हेतु अलग–अलग उपकरणों का उपयोग किया जाता है।

एस.सी.ई.आर.टी उत्तराखण्ड द्वारा विभिन्न प्रकार के सर्वे (राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय उपलब्धि सर्वेक्षण) एवं शोध कार्यों को सम्पन्न किया जाता है। साथ ही इनके सारांशों के प्रकाशन व प्रचार–प्रसार द्वारा लक्ष्य समूहों को संवेदित किया जाता है ताकि आगामी कार्ययोजना में इन्हें समाहित करते हुए कार्य किया जा सके।